संस्कृति व परंपरा पर संकट नहीं आने देंगे- गुमान सिंह डामोर

धार में सम्पन्न हुई भील महासंघ की प्रांतीय कार्यकारिणी बैठक

झाबुआ। धार के फोजी होटल में भील महासंघ की प्रांतीय कार्यकारिणी बैठक का आयोजन हुआ, जिसमें प्रदेशभर से 20 से अधिक जिलों के सैकड़ों समाजजन शामिल हुए। बैठक में जिलाध्यक्षों की घोषणा की गई और संगठन को मजबूत बनाने पर जोर दिया गया।

20 से अधिक जिलों से सैकड़ों समाजजन हुए शामिल

जिलाध्यक्षों की घोषणा, 30 सितम्बर तक जिला और 30 अक्टूबर तक तहसील कार्यकारिणी गठन का ऐलान

महिला प्रतिनिधि अनु डामोर ने महिला सशक्तिकरण पर दिया जोर

राष्ट्रगान व जयकारों से हुई शुरुआत

बैठक की शुरुआत भारत माता, मां शबरी, एकलव्य, राणा पूंजा और टांटिया भील के चित्रों पर दीप प्रज्वलन एवं पुष्पांजलि अर्पित कर हुई। तत्पश्चात राष्ट्गान और भारत माता के जयकारों के साथ बैठक का शुभारंभ हुआ।

डामोर बोले- संस्कृति और परंपरा का संरक्षण सर्वोच्च प्राथमिकता

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि व प्रांतीय अध्यक्ष, पूर्व सांसद गुमान सिंह डामोर ने अपने उद्बोधन में कहा हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता हमारी संस्कृति, रीति-रिवाज, परंपरा और धार्मिक पद्धतियों का संरक्षण करना है। कुछ लोग हमारी परंपराओं और मान्यताओं को समाप्त करने का षड्यंत्र रच रहे हैं, परंतु हम उनके मंसूबों को कभी सफल नहीं होने देंगे। उन्होंने बताया कि 30 सितम्बर तक सभी जिलों में कार्यकारिणी का गठन तथा 30 अक्टूबर तक तहसील स्तर पर कार्यकारिणी का गठन किया जाएगा। साथ ही समाज के महापुरुषों की प्रतिमाएं अधिक से अधिक स्थापित करने और उनकी जीवनी व स्वतंत्रता आंदोलन में योगदान पर लेखन कार्य करने पर भी बल दिया।

महिला सशक्तिकरण पर अनु डामोर का जोर

महिला प्रतिनिधि के रूप में उपस्थित कुमारी अनु डामोर, जो हाल ही में विदेश से पढ़ाई कर लौटी हैं, ने समाज में महिला सशक्तिकरण को सर्वोच्च प्राथमिकता देने पर बल दिया। उन्होंने कहा हमारी लड़ाई अशिक्षा,गरीबी और बेरोजगारी के साथ-साथ उन लोगों से भी है, जो हमें आगे बढ़ने से रोकना चाहते हैं।

समाज के कई प्रतिनिधियों ने रखे विचार

बैठक में रामकरण भाबर, सरदार मेड़ा, वेलसिंह भूरिया, राजू डामोर और महासचिव लक्ष्मणसिंह बारिया सहित अनेक वक्ताओं ने अपने विचार रखे।

इस अवसर पर सीताराम मुकाती, दिनेश गरवाल, वरुण डामोर, मजेसिंह मकोडिया, मेजिया कटारा और मनीष वसुनिया भी उपस्थित रहे। कार्यक्रम का सफल संचालन धूमसिंह निनामा ने किया और आभार प्रदर्शन शंकरलाल कटारिया द्वारा किया गया। बैठक की जानकारी मीडिया प्रभारी मनोज अरोरा ने दी।

जर्जर भवन में संचालित हो रहा प्रशिक्षण अकादमिक केंद्र

भवन के अंदर छत से पानी टकपने से शिक्षकों को हो रहीं परेशानी

झाबुआ। शहर के सज्जन रोड़ पर प्रशिक्षण अकादमिक केंद्र का भवन जर्जर होकर भवन के अंदर छत से पानी टपकने से केंद्र में प्रतिमाह प्रशिक्षण लेने वाले शिक्षकों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। वर्षाकाल में जर्जर भवन के आसपास जंगली खरपतवार उग जाने के साथ भवन के अंदर विद्युत व्यवस्था भी लचर है। इस ओर जिम्मेदार शिक्षा विभाग के अधिकारियों का ध्यान नहीं है।

उल्लेखनीय है कि प्रशिक्षण अकादमिक केंद्र में 22 से 25 अगस्त तक जिले के हाईस्कूल स्तर के शिक्षकों का विषयवार प्रशिक्षण चल रहा है। जिसमें उक्त समस्याओं के कारण शिक्षकों को प्रशिक्षण लेने में काफी दिक्कते एवं असुविधाओं का सामना करना पड़ रहा है। प्रशिक्षण में जिलेभर के शिक्षक भाग ले रहे है, जिन्हें मास्टर ट्रेनरों द्वारा विषयवार प्रशिक्षण देने की व्यवस्था शिक्षा विभाग की ओर से की गई है। प्रशिक्षण का समय सुबह 10.30 से शाम 4 बजे तक रखा गया है। अकादमिक केंद्र पर प्रतिमाह प्रशिक्षण कार्यक्रमों के आयोजन के साथ अन्य कार्यक्रम भी समय-समय पर होते रहते है, लेकिन जर्जर भवन में प्रशिक्षण लेने में एवं भवन के आसपास वर्षाकाल में भारी मात्रा में खरपतवार उग जाने से जहरीले जानवरों का भी भय बना हुआ है।

भवन के अंदर छप से पानी टकरने से फर्श गीला होने के साथ बेंचेंस पर भी पानी ही पानी देखने को मिल रहा है। शिक्षा विभाग को चाहिए कि वह भवन एवं छत का रिपयेरिंग कार्य करवाएं एवं भवन के आसपास उग रहीं खरपतवार की भी नियमित सफाई करवाई जाएं। वर्तमान में भवन के अंदर कई पंखे एवं लाईट भी बंद पड़ी हुई है, जिन्हें भी ठीक करवाना आवश्यक है। इस कारण भवन के अंदर अधेरा सा पसरा रहता है। साफ़सफाई का भी अभाव होने के साथ वॉशरूम में भी गंदगी पसरी रहती है।

प्री-टेस्ट में मोबाईल से खुलेआम नकल कर रहे शिक्षक

हाईस्कूल के शिक्षकों के तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम में कई शिक्षक मास्टर ट्रेनरों के सामने ही प्री टेस्ट में मोबाईल से नकल करते देखे जा रहे है, यह शिक्षा की गुणवत्ता पर प्रश्न चिन्ह खड़ा करता है। यदि शिक्षक ही टेस्ट में नकल करेंगे, तो विद्यालयों में विद्यार्थियों से क्या अपेक्षा की जा सकती है ?, दूसरी ओर प्रशिक्षण के दौरान शिक्षकों को स्टेशनरी सामग्री में डायरी, पेन आदि का भी वितरण नहीं किया जा रहा है। कई शिक्षकों के नाम ना छापने की शर्त पर उन्होंने बताया कि उन्हें प्रशिक्षण के दौरान मिलने वाला भोजन ही गुणवत्ताविहीन होकर एक ही ठेकेदार को भोजन का ठेका देकर लाभ पहुंचाया जा रहा है।

कई बार की जा चुकी है शिकायते

प्रशिक्षण अकादमिक केंद्र में पसरी अव्यवस्थाओं के संबंध में कई बार प्रशासनिक स्तर पर शिकायते की जा चुकी है, लेकिन शिक्षा विभाग के जिम्मेदार अधिकारी मौन है और उनके द्वारा इस ओर ध्यान नहीं दिया जा रहा है।

जिससे लगातार समस्याओं से इजाफा होने के साथ केंद्र में पसरी अव्यवस्थाओं के कारण शिक्षकों को काफी असुविधाएं एवं परेशानियां झेलना पड़ रहीं है। कई बार शिक्षकों की ओर से इस संबंध में शिक्षा विभाग के अधिकारियों को अवगत करवाने के बावजूद लापरवाही बरती जा रहीं है।

इनका कहना है

इस संबंध में जानकारी जिला शिक्षा अधिकारी रूपसिंह बामनिया से मोबाईल पर संपर्क करने पर उन्होंने फोन रिसीव नहीं किया।

आपके द्वारा मुझे इस मामले से अवगत करवाया है। मैं दिखवाती हूॅं।

सुप्रिया बिसेन, सहायक आयुक्त, जनजातिय कार्य विभाग, झाबुआ।

पीजी महाविद्यालय झाबुआ में पीएम ऊषा सॉफ्ट कम्पोनेंट 3 के प्रथम चरण कार्यक्रम का हुआ समापन

स्वयं की रक्षा के लिए आत्मबल, चतुराई और आत्मविश्वास का होना बहुत जरूरी है:- प्राचार्य डॉ. जगदीश चन्द्र सिन्हा

झाबुआ। विगत 21 दिनों से प्रधानमंत्री कॉलेज आफ़ एक्सीलेंस शहीद चन्द्रशेखर आजाद शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय झाबुआ में पीएम ऊषा सॉफ्ट कम्पोनेंट 3 के तहत तीन कौशल विधाओं आत्मरक्षा प्रशिक्षण, बेसिक आफ़ कम्प्यूटर, टेली अकाउंटिंग प्रशिक्षण का शुक्रवार को समापन हो गया। उच्च शिक्षा विभाग द्वारा प्रायोजित तीनों विधाओं का प्रशिक्षण इति श्रीवास्तव, शक्ति सिंह देवड़ा और सेडमैप झाबुआ के कैलाश विश्वकर्मा द्वारा प्रदान किया गया।

प्रशिक्षण कार्यक्रम के समापन की अध्यक्षता करते हुए महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ.जगदीश चन्द्र सिन्हा ने बताया कि स्वयं की रक्षा के लिए आत्मबल, चतुरता और आत्मविश्वास का होना जरुरी है। हमें स्वयं के साथ दूसरों की भी मदद के लिए अक्सर आगे आना चाहिए। यही सच्चे अर्थों में मानवीयता का परिचायक है।

वहीं वरिष्ठ प्राध्यापक डॉ.जेसी मेहता ने अपने विचार रखते हुए कहा कि ज्ञान और अनुभव के बगैर डिग्री का कोई मूल्य नहीं रह जाता है। अगर हमने सच्चे मन और लगन से किसी हुनर को सीखने प्रयास किया है, तो वह जीवनभर हमारे काम आता है।

उक्त कार्यक्रम में छात्रा पूर्वी यादव, किरण बोदंड़ ने प्रशिक्षण प्राप्ति के अपने अपने अनुभव भी साझा किए। प्रशिक्षणार्थियों को मुख्य अतिथि एवं सदस्यों द्वारा प्रमाण पत्र भी वितरित किए गए। इसके अलावा कार्यक्रम स्थल पर ही छात्रा खुशी बड़दवाल, भारती सोलंकी, रक्षा गुडिंया, पल्लवी प्रजापति, विछु भाभोर, पूजा भूरिया, प्रांजल चौहान, ऊषा भाभोर ने बेहतर तरीके से आत्मरक्षा के अलग अलग डेमो भी प्रस्तुत किए। जिसकी सभी ने सराहना की। तीनों कौशल विधाओं का समापन कार्यक्रम पीएम ऊषा प्रभारी डॉ.वीएस मेड़ा एवं तीनों समिति के संयोजक डॉ.मनीषा सिसौदिया, डॉ. कुंवर सिंह चौहान व सदस्यों के सहयोग से संपन्न हुआ। संचालन डॉ. गोपाल भूरिया ने किया और आभार डॉ.मनीषा सिसौदिया ने माना।

समापन कार्यक्रम के अवसर पर सीनियर प्रो.जेएस भूरिया, डॉ.राजेन्द्र परमार, डॉ.रीता गणावा, डॉ.राजू बघेल, प्रो.जेमाल डामोर, डॉ.विनोद भूरिया, डॉ.बीएल डावर, प्रो.शंकरलाल खरवाडिया, डॉ.अमित गौहरी, प्रो.पीएस डावर, डॉ.अंजना ठाकुर, डॉ.सपना जोशी, प्रो.रितेश तंवर, डॉ.लोहार सिंह ब्राह्मणे आदि सहित बड़ी संख्या में विद्यार्थीगण उपस्थित थे।

छात्राओं कों मिट्टी से गणेशजी बनाने का दिया गया प्रशिक्षण

अपने घरों पर स्थापना एवं विसर्जन करने का लिया संकल्प

झाबुआ। सृजन गतिविधि के तहत स्थानीय पीएमश्री शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में छात्राओं कों मिट्टी से गणेशजी बनाने का प्रशिक्षण दिया गया। यह प्रशिक्षण संस्था प्राचार्य श्रीमती सीमा त्रिवेदी के मार्गदर्शन में हुआ। जिसमें विद्यालय के अन्य शिक्षक-शिक्षकाओं ने भी सहयोग प्रदान किया।

प्रशिक्षण प्रशिक्षक श्रीमती योगिता पांडे ने दिया। जिसमें छात्राओं ने काली मिट्टी से गणेशजी बनाकर गणेशोत्सव के प्रथम दिन अपने-अपने घरों पर स्थापना के साथ अंतिम दिन अनंत चर्तुदशी पर घरों पर ही पानी में विसर्जन करने हेतु संकल्प लिया।

प्रशिक्षण में करीब 100 छात्राओं ने भाग लिया। संस्था प्राचार्य श्रीमती सीमा त्रिवेदी ने बताया कि पर्यावरण संरक्षण के दृष्टिगत विद्यालय में मिट्टी से गणेशजी बनाने हेतु उक्त कार्यक्रम का आयोजन रखा गया। जिसमें छात्राओं ने उत्साह के साथ सहभागिता कर काली मिट्टी से सुंदर गणेशजी बनाएं।

श्री जैन श्वेतांबर मालवा महासंघ का सम्मेलन एवं मिलन समारोह 13 एवं 14 सितंबर को

झाबुआ। श्री जैन श्वेतांबर मालवा महासंघ द्वारा आगामी 13 एवं 14 सितंबर को इंदौर महानगर में परम् पूज्य आचार्य श्री विश्वरत्न सागर सूरीश्वरजी मसा एवं अन्य साधु-साध्वीजी मसा की पावन प्रेरणा एवं सानिध्य में महासंघ के पदाधिकारियों एवं सदस्यों के सम्मेलन के साथ श्री संघ के पदाधिकारियों का मिलन समारोह का वृहद आयोजन रखा गया है।

जानकारी देते हुए श्री जैन श्वेतांबर मालवा महासंघ के प्रदेश संयोजक डॉ. यशवंत भंडारी ने बताया कि सम्मेलन का अधिकाधिक प्रचार-प्रसार किया जा रहा है एवं आयोजन में श्री जैन श्वेतांबर मालवा महासंघ के सभी पदाधिकारियों-सदस्यों एवं श्वेतांबर जैन श्री संघ के पदाधिकारियों से अधिकाधिक सहभागिता हेतु अपील की गई है।

माखन की खुशबू, बारिश की फुहार-नन्हे-मुन्ने बच्चों संग मनाया जन्माष्टमी का त्योहार

झाबुआ। अंकुरम इंटरनेशनल स्कूल झाबुआ में दिनांक 22 अगस्त को प्री-प्राइमरी के नन्हे-मुन्ने छात्रों ने बड़े हर्षोल्लास और भक्तिभाव के साथ जन्माष्टमी का पर्व मनाया। इस अवसर पर बच्चे राधा-कृष्ण की मनमोहक वेशभूषा में सजे हुए थे, जिसने पूरे वातावरण को भक्ति और उल्लास से भर दिया।

कार्यक्रम की शुरुआत विद्यालय के संस्थापक एवं प्रबंधक डॉ.लोकेश दवे, डायरेक्टर डॉ.चारुलता दवे तथा प्राचार्य डॉ.रितेश लिमये द्वारा भगवान श्रीकृष्ण की पूजा-अर्चना एवं आरती से की गई। इसके पश्चात शिक्षिकाओं सुश्री पलक वैरागी, श्रीमती प्रियंका तथा सुश्री डिंपल द्वारा क्रमशः डॉ.लोकेश दवे, डॉ.चारुलता दवे और प्राचार्य डॉ.लिमये का स्वागत किया गया।

वही प्री-नर्सरी व नर्सरी के छात्रों के लिए फैंसी ड्रेस प्रतियोगिता का आयोजन किया गया, जिसमें नन्हे-मुन्ने बच्चों ने राधा-कृष्ण की वेशभूषा धारण कर अपनी प्रस्तुति से सभी का मन मोह लिया। एलकेजी.के बच्चों ने कृष्ण भक्ति से ओतप्रोत भजनों की सुंदर प्रस्तुति दी, वहीं यूकेजी.के छात्रों ने ÷श्लोक सुनाओ÷ प्रतियोगिता में उत्साहपूर्वक भाग लिया।

संस्थापक डॉ.लोकेश दवे, डायरेक्टर डॉ.चारुलता दवे तथा प्राचार्य डॉ.रितेश लिमये ने सभी प्रस्तुतियों की सराहना करते हुए बच्चों को अपनी प्रतिभा निखारते हुए जीवन में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया।

इस आयोजन को सफल बनाने में सभी शिक्षिकाओं का सराहनीय योगदान रहा। कार्यक्रम का संचालन विद्यालय की शिक्षिका श्रीमती अर्चिता राठौर ने किया।

जोबट विधायक को सौंपा गया व्यावसायिक प्रशिक्षकों का ज्ञापन

अलीराजपुर। नवीन व्यावसायिक शिक्षा-प्रशिक्षक महासंघ (म.प्र.) के प्रतिनिधिमंडल ने शनिवार को जोबट विधायक सेना महेश पटेल को ज्ञापन सौंपा। इसमें प्रदेशभर के व्यावसायिक प्रशिक्षकों की समस्याओं और माँगों का उल्लेख किया गया। महासंघ के पदाधिकारियों ने बताया कि वर्ष 2015-16 से शाला शिक्षा विभाग में व्यावसायिक शिक्षा का संचालन हो रहा है, जिसमें लगभग 6400 से अधिक प्रशिक्षक कार्यरत हैं। दस वर्षों से लगातार सेवाएँ देने के बावजूद प्रशिक्षकों की स्थिति दयनीय बनी हुई है। ज्ञापन में कहा गया कि प्रशिक्षकों को केवल 20 से 25 हज़ार रुपये मासिक मानदेय दिया जा रहा है, जबकि महँगाई को देखते हुए इसे 40 से 50 हज़ार रुपये तक बढ़ाया जाना चाहिए।

इसके अलावा दस वर्षों में मात्र एक आकस्मिक अवकाश प्रदान किया गया है, जिसे अन्य विभागों की तरह चिकित्सा एवं वार्षिक अवकाश से जोड़े जाने की माँग की गई। महासंघ ने ड्क्ष्ज्ञ स्ष्ठठ्ठश्चश्च2द्गह्न जैसी निजी एजेंसी के माध्यम से अनुबंधित व्यवस्था का विरोध करते हुए कहा कि इससे प्रशिक्षकों का भविष्य असुरक्षित होगा। ज्ञापन में व्यावसायिक प्रशिक्षकों के लिए स्थायी पद सृजित करने और सेवा सुरक्षा देने पर ज़ोर दिया गया। विधायक सेना महेश पटेल ने प्रतिनिधिमंडल को आश्वस्त किया कि उनकी माँगों को गंभीरता से उठाकर शासन तक पहुँचाया जाएगा।

संकल्प ग्रुप द्वारा पर्यावरण संरक्षण व परंपरा के लिए मिट्टी के गणेश बनाने की कार्यशालाएं

झाबुआ। गणेशोत्सव पर्व के अवसर पर संकल्प ग्रुप, झाबुआ विगत कई वर्षों से पर्यावरण संरक्षण एवं धार्मिक परंपराओं को ध्यान में रखते हुए विशेष पहल कर रहा है। इसी उद्देश्य से संस्था प्रतिवर्ष मिट्टी के गणेश बनाने की निःशुल्क कार्यशालाएं आयोजित आये दिन करती आ रही है, ताकि लोग घर पर ही गणेश प्रतिमा बनाकर स्थापित करें और घर में ही उनका विसर्जन करें।

पिछली उपलब्धियां एवं इस वर्ष की शुरुआत...-संकल्प ग्रुप की अध्यक्ष श्रीमती भारती सोनी ने जानकारी देते हुए बताया कि पिछले वर्ष लगभग 7000 मिट्टी के गणेश बनाने का लक्ष्य संकल्प ग्रुप ने पूर्ण किया था। इस वर्ष भी संस्था ने एक माह पूर्व से ही विभिन्न संगठनों के माध्यम से कार्यशालाएं प्रारंभ कर दी हैं। अब तक लगभग 4000 प्रतिमाओं का प्रशिक्षण दिया जा चुका है। इन कार्यशालाओं में प्रतिभागियों को न केवल प्रतिमा निर्माण की तकनीक सिखाई जाती है, बल्कि गणेशोत्सव से जुड़ी ऐतिहासिक व धार्मिक जानकारियां भी रोचक तरीके से दी जाती हैं।

कार्यशालाओं का आयोजन-भारती सोनी ने आगे बताया कि झाबुआ, राणापुर, मेघनगर, थांदला, रामा, सेवाभारती सिलाई केंद्र, सेवा भारती कंप्यूटर केंद्र, जनजातीय कन्या छात्रावास, जिला विकलांग केंद्र रंगपुरा, महिला मंडल झाबुआ पाठशाला, केशव इंटरनेशनल झाबुआ, एक्सीलेंस एकेडमी सहित कई विद्यालयों, मंदिरों व ग्रामीण समितियों में संकल्प ग्रुप की कार्यशालाएं हो चुकी हैं। इसके अलावा इस वर्ष लायंस क्लब पेटलावद के माध्यम से ऑनलाइन प्रशिक्षण भी दिया गया, जिससे लोग घर बैठे गणेश प्रतिमा बनाना सीख सकें।

संकल्प ग्रुप की विशेषता-सोनी ने आगे कहा कि इन कार्यशालाओं में मिट्टी के गणेश बनाने की विधि बेहद सरल तरीके से सिखाई जाती है, जिसे मात्र 5 मिनट में सीखा जा सकता है।

मिट्टी से जुड़ाव प्रतिभागियों को न केवल बचपन की यादों से जोड़ता है, बल्कि यह मन की एकाग्रता और रचनात्मकता को भी बढ़ाता है। प्रशिक्षण के दौरान भगवान गणेश से जुड़े विभिन्न प्रसंग, जैसे गणेशोत्सव की स्थापना, माता पार्वती की आज्ञा पालन की कथा, और भारत में शल्य चिकित्सा का प्रथम प्रमाण (गणेश जी के सिर से जुड़ा प्रसंग) भी बताए जाते हैं।

इस पहल के लाभ...संकल्प ग्रुप की अध्यक्ष श्रीमती भारती सोनी के अनुसार मिट्टी के गणेश बनाने के कई लाभ हैं, जिनमें प्रमुख हैं, पर्यावरण संरक्षण, लागत मूल्य शून्य, मन की एकाग्रता बढ़ाना, कलात्मकता का विकास, धर्म और राष्ट्र के प्रति आस्था का संरक्षण अब तक की उपलब्धि संकल्प ग्रुप वर्ष 2009 से यह अभियान चला रहा है। अब तक संस्था द्वारा सबसे छोटी 1.5 इंच से लेकर 5 फीट ऊंची प्रतिमाएं बनाई जा चुकी हैं। इस वर्ष भी कार्यशालाएं 27 अगस्त तक लगातार जारी रहेंगी।

विशेष योगदान..इस पहल को सफल बनाने में संस्था की सदस्य श्रीमती ज्योति त्रिवेदी, श्रीमती सविता गुप्ता और श्रीमती श्यामल अरोड़ा का विशेष सहयोग रहा।

संदेश..संकल्प ग्रुप सभी नागरिकों से अपील करता है कि मिट्टी के गणेश बनाकर घर में स्थापित करें और घर पर ही विसर्जन करें, ताकि पर्यावरण की रक्षा हो और परंपरा का सम्मान भी बना रहे।